ing this year. The item-wise details of expenditure upto July, 91 are as under:-

(Rupees in lakhs)

(i) Construction of buildings. . .	. . . . . 0.10928
(ii) Development of water resources .	. . . . . 3.66650
(iii) Eco-development Programme. . .	. . . . . 2.81804
(iv) Habitat improvement works. . .	. . . . . 0.44821
TOTAL :	Rs. 7.04203

देश में प्रौढ़ शिक्षा का प्रसार

387. **श्री रणजीत सिंह :**

डा जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि प्रौढ़ शिक्षा के प्रसार के लिए सरकार द्वारा अनेक स्वैच्छिक संस्थाओं को अनुदान प्रदान किया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो दिल्ली में वर्ष 1988–89' 1989–90, और 1990–91 के दौरान ऐसी कितनी संस्थाओं को यह अनुदान प्रदान किया गया तथा प्रत्येक संस्था को प्रदान की गई राशि कितनी-कितनी थी ;

(ग) क्या सरकार ने इन संस्थाओं द्वारा प्रौढ़ शिक्षा के प्रसार के लिए किए गए कार्यकलापों की समय-समय पर समीक्षा करने हेतु कोई स्थायी प्रबंध किये हैं यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या सरकार को इन स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा शिक्षा के प्रसार के लिए किए गए कार्यों की जानकारी है ; यदि हां, तो उक्त वर्षों के दौरान इन संस्थाओं द्वारा क्या परिणाम प्राप्त किए गए हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) जी, हां ।

(ख) एक विवरण संलग्न है । (देखिए परिशिष्ट 160, अनुपत्र सं० 20)

(ग) और (घ) सरकार आवधिक रिपोर्टों के जरिये परियोजनाओं की प्रगति पर निगरानी रखती है । इसके अलावा राज्यों/संघ शासित प्रदेशों अथवा केन्द्रीय सरकार के पदाधिकारियों द्वारा परियोजनाओं की समीक्षा की जाती है । जब और जैसे ही यह आवश्यक समझा जाता है तो समय-समय पर संयुक्त मूल्यांकन दल गठित किए जाते हैं । वर्ष 1988–89, और 1990–91 के दौरान, 1600, 2380 1989-90 और 1570 प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र क्रमशः 23, 28 और 13 स्वैच्छिक संगठनों द्वारा चलाए गए । संयुक्त मूल्यांकन दलों द्वारा इनमें से 12 स्वैच्छिक एजेंसियों के कार्यों को असंतोषजनक पाया गया ।

Opening of new branhesc of Natiooaltwt Banks

388. SHRI R. T. GOPALAN: Will the Minister of FINANCE be pleased ta state:

(a) the number of branches of natiooi-lised banks which are proposed to be opened during the year 1991; and

(b) what is the number of such branches which have already been opened during 1991, so far?